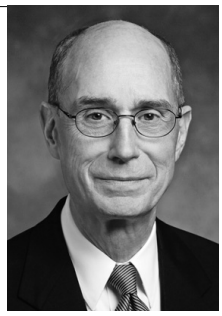

अध्यक्ष हेनरी बी.आइरिंग द्वारा
प्रथम अध्यक्षता में प्रथम सलाहकार
अध्यक्ष हेनरी बी.आइरिंग

वह जी उठा है

यीशु मसीह के पुनरुत्थान की सच्चाई की एक गवाही आशा और समर्पण दोनों का एक स्रोत्र है । और यह परमेश्वर की किसी भी बच्चे के लिए हो सकता है । यह मेरे लिए जून 1969 की गर्मियों में हुआ जब मेरी मां की मृत्यु हुई थी, यह मेरे लिए तब से, और यह तब तक रहेगा जबतक मैं उन्हें दोबारा से देखूंगा ।

लौकिक अलगाव से दुखी होना तुरन्त ही आनन्द के स्थान में बदल जाता है । यह दोबारा मिलन की खुशी की आशा से कहीं अधिक होता है । क्योंकि प्रभु ने भविष्यवक्ताओं के द्वारा इतना अधिक प्रकट कर दिया है और क्योंकि पवित्र आत्मा ने पुनरुत्थान की सच्चाई का पुष्टीकरण मुझ से किया था, मैं अपने मन में देख सकता हूं कि यह पुनर्मिलन अपने पवित्र और पुनरुत्थारित प्रियजनों से कैसा होगा :

''यह वही है जो पुनरुत्थान में आगे आएगें ... ।
''यह वही हैं जिन के नाम स्वर्ग में लिखे गए हैं, जहां परमेश्वर और मसीह सभी पर न्यायाधीश है ।

''ये वे हैं जो नए अनुबंध के उस मध्यस्थ यीशु के द्वारा परिपूर्ण बने न्यायी मनुष्य हैं, जिसने इस परिपूर्ण प्रायश्चित को अपना स्वयं का लहू बहा कर पूरा किया था''(सि और अनु 76:65, 68–69) ।

क्योंकि यीशु मसीह ने मृत्यु के बन्धन को तोड़कर, सभी स्वर्गीय पिता के बच्चे जो संसार में पैदा हुए हैं पुनरुत्थारित होंगे उस शरीर के साथ जो कभी भी मर नहीं सकेगा । तो वह महिमापूर्ण सच्चाई मेरी और आपकी गवाही अपने परिवार के प्रियजनों और मित्रों के बिछुड़ने के दुख को हटा सकती है और उसके स्थान पर खुशी की आशा और ठोस दृढ़ता को लाती है ।

प्रभु ने हम सभी को पुनरुत्थान का उपहार दिया है,जिससे हमारी आत्मा उस शरीर में होगी जो शरीर की अपूर्णता से स्वतंत्र होगा (देखें अलमा 11:42–44) । मेरी मां जवान और स्वस्थ में प्रकट होगी, आयु का प्रभाव और सालों की शारीरिक पीड़ा हट जाएगी । यह उनके और हमारे पास एक उपहार के रुप में आएगा ।

परन्तु हम में से जो उनके साथ सदा रहना चाहते हैं के लिए योग्य रहने का चुनाव करना होगा, वहां पर जहां पर पिता और उसका प्रिय पुनरुत्थारित पुत्र की महिमा बसती है । सिर्फ वही स्थान है जहां पर पारिवारिक जीवन लगातार अनन्ता में रह सकता है । उस सच्चाई की गवाही ने मेरे अपने योग्य होने की दृढता को दृढ़ किया है और उनको जिन से मैं प्रेम करता हूं उच्च सतर के सलेस्टियल राज्य के लिए यीशु मसीह के प्रायश्चित के द्वारा हमारे जीवनों में काम करते हैं (देखें सि और अनु 76:70) ।

प्रभु हमें प्रभुभोज प्रार्थनाओं में अनन्त जीवन की खोज का मार्गदर्शन देता है जोकि मेरी और आपकी सहायता करती हैं । हमें प्रत्येक प्रभुभोज सभा में अपने बपतिस्मा अनुबंधों का नवीनीकरण करने के लिये आमंत्रित किया जाता है ।

हम हमेशा उद्धारकर्ता को याद रखने का वादा करते हैं । उसके बलिदान का प्रतीक हमारी मदद उसकी मृत्यु के बन्धन को तोड़ने के मूल्य को चुकाने के महत्व, हमें दया दिए जाने, और हमारे सभी पापों को क्षमा किए जाने यदि हम पश्चाताप करना चुनते हैं, की प्रशंसा करने में मदद करते हैं ।

हमने उसकी आज्ञाओं का पालन करने का वादा किया है । धर्मशास्त्रों को पढ़ना और जीवित भविष्यवक्ताओं के शब्दों को और प्रभुभोज सभा में प्रेरित वार्ताकारों की वार्ता को सुनना हमें ऐसा करने के लिए हमारे अनुबंधों को स्मरण कराती हैं । पवित्र आत्मा हमारे मनों और हृदयों में उन आज्ञाओं को लाता है जिसे हमें उस दिन पालन करने की अधिक जरुरत होती है ।

प्रभुभोज की प्रार्थना में, परमेश्वर ने हमारे साथ पवित्र आत्मा को भेजने का वादा किया है (मरोनी 4:3; 5:2; सि और अनु 20:77, 79) । मैंने उस क्षण पाया कि परमेश्वर मुझको एक व्यक्तिगतरुप से साक्षात्कार

करने का एहसास देता है । वह मुझे ध्यान दिलाता है कि जो कुछ मैंने किया वह उसे भाता है, मुझे पश्चाताप और क्षमा पाने की जरुरत, और लोगों के नाम और चेहरे जिन्हें मैं उसके लिये सेवा करुं को देता है ।

सालों से, उस अनुभव को दोराहते हुए आशा का एहसास उदारता में बदल जाता है और एक आश्वासन लाता है कि उद्धारकर्ता का प्रायश्चित और पुनरुत्थान के अनुग्रह द्वारा मेरे लिए खोल देता है ।

मैं गवाही देता हूं कि यीशु ही जीवित मसीह, हमारा उद्धारकर्ता, और हमारा परिपूर्ण उदाहरण और अनन्त जीवन का मार्गदर्शक है ।

इस सन्देश से शिक्षा

हम ''क्योंकि मैं उन सभी धर्मशास्त्रों पर विश्वास करता हूं जो हमारे लाभ और शिक्षा के लिए हमें दिए गए हैं'' (1 नेफी 19:23)। प्रभुभोज प्रार्थना का अध्ययन करने पर विचार करें, सिद्धान्त और अनुबंध 20:76–79 में पाई जाती है । अध्यक्ष आइरिंग की प्रभुभोज प्रार्थना के विषय की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद, जिन्हें आप शिक्षा दे रहे है आप उन को आमंत्रित कर सोचने दे कि यह प्रार्थनाएं उनके जीवनों को स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के पास दोबारा लौटने के साथ जीने के लिए मार्गदर्शन करनें में सहायता कर सकती हैं ।

युवा

परमेश्वर के साथ आपका व्यक्तिगत साक्षात्कार

अध्यक्ष आइरिंग ने सीखाया कि जैसे हम प्रभुभोज की प्रार्थना सुनते है, हम महसूस कर सकते हैं मानो हमारा परमेश्वर के साथ व्यक्तिगतरुप से साक्षात्कार हो रह हो । अध्यक्ष आइरिंग निम्न तीन क्षेत्रों के बारे में विचार करते है । इन प्रश्नों को अपने दैनिकी में लिखने पर विचार करें और उस महिने प्रत्येक रविवार को इस पर मनन करें । जैसे आप मनन करते और पवित्र आत्मा से प्रभाव प्राप्त करते है, उन्हें भी आप अपनी दैनिकी में भी लिख सकते है ।

- मैंने परमेश्वर को प्रसन्न करने के लिये क्या किया ?
- मुझे पश्चाताप करने या क्षमा पाने के लिये क्या करने की जरुरत है ?
- परमेश्वर मुझ से किस की सेवा करवाना चाहेगा ?

© 2013 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमत्ति : 6/12 । अनुवाद अनुमत्ति : 6/12 । *First Presidency Message, April 2013* का अनुवाद । Hindi । 10664 294

मन्दिर अनुबंध

इस सामाग्री को पढ़ें, और जैसा उचित हो, बहनें जिन से आप भेंट करती हैं के साथ इस पर चर्चा करें। अपनी बहनों को मजबूत और सहायता संस्था को अपने जीवन का सक्रिय हिस्सा बनाने में मदद के लिए प्रश्नों का प्रयोग करें। अधिक जानकारी के लिए, reliefsociety.lds.org को देखें।

विश्वास, परिवार, सहायता

''बचाए जानी वाली धर्मविधियां मंदिर में मिलती हैं जोकि एक अनन्त परिवार के रिश्ते में और आशीषें प्रदान कर और प्रत्येक बलिदान और प्रत्येक प्रयत्न करने से हम किसी दिन अपने स्वर्गीय पिता के पास वापस लौटने की स्वीकृति को प्रदान करते हैं,''[1] अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन ने कहा था। यदि आप अभी तक मन्दिर नहीं गये हैं, तो आप मन्दिर की पवित्र धर्मविधियां को पाने के लिए निम्नलिखित तैयारी कर सकते हैं :

- स्वर्गीय पिता, यीशु मसीह, और पवित्र आत्मा में विश्वास करने से।
- यीशु मसीह के प्रायश्चित और सुसमाचार के पुनस्थापना की गवाही को पोषित करना।
- जीवित भविष्यवक्ता का समर्थन और अनुसरण करने से।
- मन्दिर संतुति की योग्यता के लिए दशंमास देना, नैतिकता रूप से शुद्ध होना, ईमानदार रहना, ज्ञान के शब्दो का पालन करना, और गिरजाघर के शिक्षा के साथ लेय में जीना।
- समय देना, गुण, प्रभु के राज्य को बनाने में मदद करना।
- परिवार इतिहास कार्य में भाग लेने से कर सकते है।[2]

अध्यक्ष मॉनसन ने आगे सीखाया, ''जब हम उन अनुबंधों को जिन्हें हम ने [मन्दिर] में बनाये हैं को याद करते हैं, हम और अधिक प्रत्येक मुसीबत और प्रत्येक लालच से ऊपर आने की क्षमता रखेगें।''[3]

धर्मशास्त्रों में से

सिद्धान्त और अनुबंध 14:7; 25:13; 109:22

हमारे इतिहास से

''5,000 से ज्यादा सन्तों की भीड़ ने नावू मन्दिर के समर्पण के बाद....

''अन्तिम दिनों के सन्तों ने उन की [पश्चिम] की यात्रा में बल,शक्ति,और मन्दिर अनुबंधों की आशीषों का [समर्थन] करते हुए, जब उन्होंने सर्दी, गर्मी, भूख, गरीबी, बीमारी, दुर्घटना और मृत्यु को [सहा] था।''[4]

सहायता संस्था की कई बहनों के समान, सारा रिच ने मन्दिर में कार्य कर सेवा की थी। उन्होंने अपना अनुभव बतायाः ''यदि यह विश्वास और ज्ञान के लिए नहीं था जो हमारे ऊपर मन्दिर में ... प्रभु की आत्मा द्वारा प्रदान हुआ था, हमारी यात्रा अन्धेरे में छलांग लगाने के सामान होती। परन्तु हमारा हमारे स्वर्गीय पिता में विश्वास, ... महसूस कराता हुए कि हम उस के चुने हुए लोग थे... , और दुख के बावजूद हम हमारे छुड़ाये जाने के दिन के आने का आनन्दे महसूस करने लगे थे।''[5]

निर्गमन में अन्तिम दिनों के सन्तों की महिलाओं के लिए ''अन्धेरे में छलांग लगाना'' नहीं था। वे अपने मन्दिर अनुबंधों से समर्पित थी।

विवरण

1. Thomas S. Monson, "The Holy Temple—a Beacon to the World," *Liahona,* May 2011, 92।
2. देखें *Daughters in My Kingdom: The History and Work of Relief Society* (2011), 21।
3. Thomas S. Monson, *Liahona,* May 2011, 93।
4. *Daughters in My Kingdom,* 29–30।
5. Sarah Rich, *Daughters in My Kingdom,* 30 में।

मैं क्या कर सकती हूं ?

1. क्या मैं मन्दिर में रोज़ना आराधना करती हूं ?

2. क्या मैं अपनी बहनों को मन्दिर आषीशें प्राप्त करने के लिये प्रोत्साहित करती हूँ ?

© 2011 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित। भारत में छपी। अंग्रेजी अनुमतिः 6/12। अनुवाद अनुमतिः 6/12। *Visiting Teaching Message, April 2013* का अनुवाद। Hindi। 10664 294